भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

प्रेस विज्ञप्ति
29 दिसम्बर, 2020
जारी करने का समय: 1745 hrs IST

मौसम केंद्र - लेह की स्थापना

उद्देश्य:

लद्दाख की राजधानी लेह समुद्र तल से 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भारत के सबसे उत्तरी हिस्से में लद्दाख कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में स्थित है, जिसकी सीमाएं चीन, पाकिस्तान, तिब्बत और अफगानिस्तान तक हैं। लद्दाख में लेह और कारगिल दो जिले हैं। लद्दाख एक जटिल पहाड़ी इलाका है जहाँ प्रति वर्ष वार्षिक वर्षा केवल 10 से.मी. होती है। इस प्रकार यह एक ठंडा रेगिस्तान है। फिर भी एक पर्वतीय क्षेत्र होने के बावजूद इस क्षेत्र की अत्यंत कठोर और अति विषम जलवायु है तथा मौसम की विभिन्न प्रकार की विनाशकारी घटनाओं जैसे कि बादल फटना, आकस्मिक बाढ़, हिमनद झील विस्फोट (GLOFs), हिमस्खलन, सूखा आदि से जीवन और संपत्ति की हानि होती है। अगस्त 2010 तथा 2015 में प्रचंड बादल फटने, जनवरी 2019 में खारदोंगला दर्रे में हिमस्खलन और भारी बर्फबारी के कारण लेह-मनाली और लेह-श्रीनगर राजमार्गों का लगातार अवरुद्ध होना इनके नवीनतम उदाहरण हैं।

भविष्य में इस तरह की मौसम की घटनाओं के कारण होने वाली क्षति को कम करने के लिए भारत सरकार ने 2020 में लद्दाख में मौसम संबंधी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए लेह में एक मौसम केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की। 3500 मी. ऊँचाई पर स्थित मौसम केंद्र-लेह भारत में सर्वोच्च शिखर पर स्थित मौसम केंद्र होगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दाब, आर्द्रता, तापमान, हिमपात आदि जैसे दैनिक मौसम प्राचलों की सूचना देने के लिए लेह में एक सतही वेधशाला की स्थापना की। वर्तमान में लद्दाख में दोनों जिलों में दो-दो कुल चार स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS) हैं- जिनमें से एक सबसे ठंडे स्थान द्रास में है। IMD AWS साइट पर मौसम संबंधी आँकड़े ऑनलाइन उपलब्ध हैं। प्रेक्षण संजाल को बेहतर बनाने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अगले वर्ष समस्त लद्दाख के दूरस्थ क्षेत्रों जैसे नुब्रा, ज़ांस्कर, चांगथांग, परकाचिक आदि में और अधिक स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा विकिरण तथा वायु प्रदूषण की निगरानी के लिए उपकरण, कृषि-मौसम इकाई, जल-मौसम इकाई, उपरितन वायु उपकरण, डॉपलर मौसम रेडार आदि स्थापित किए जाएंगे। आने वाले वर्षों में भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा मौसम केंद्र लेह को विश्व स्तरीय वैज्ञानिक और सेवा विभाग बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

लद्दाख से गुणवत्तापरक आँकड़ों की उपलब्धता के साथ, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा संख्यात्मक मॉडल के आधार पर शहर विशिष्ट पूर्वानुमान जारी किया जाएगा।

लद्दाख के प्रशासन और लोगों की मदद करने के लिए, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दोनों जिलों (लेह और कारगिल) के लिए दैनिक आधार पर विभिन्न अवधियों की मौसम पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिनमें लघु अवधि (3 दिन) और मध्यम अवधि (12 दिन) से लेकर विस्तारित (1 महीने) अवधि तक के पूर्वानुमान सभी स्टेकहोल्डरों को प्रदान की जाएंगी। जिला स्तर के पूर्वानुमान के अतिरिक्त महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थलों जैसे नुब्रा, चांगथांग, पैंगोंग झील, ज़ांस्कर, कारगिल, द्रास, धा-ब्यामा (आर्यन घाटी), खलसी, आदि के लिए पूर्वानुमान प्रदान किए जाएंगे। कुछ महत्वपूर्ण सेवाएं हैं- राजमार्ग पूर्वानुमान, पर्वतारोहियों के लिए पूर्वानुमान, ट्रेकिंग, कृषि, आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी, तेज़ हवाओं की जानकारी, न्यूनतम और अधिकतम तापमान आदि।

भारत सरकार द्वारा लद्दाख के प्रशासन और लोगों के लिए सर्वोत्तम मौसम सेवाएं प्रदान करने और लद्दाख को मौसम की अनियमितताओं से सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

यह कार्यालय भारत सरकार की ओर से लद्दाख के नागरिकों को 29 दिसंबर, 2020 को समर्पित है और इसका उद्घाटन माननीय मंत्री-स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय मंत्री-श्री आर के माथुर, माननीय उपराज्यपाल (लद्दाख) और लद्दाख से संसद सदस्य श्री जे.टी. नामग्याल द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. राजीवन, मौसम विज्ञान महानिदेशक डॉ. एम. महापात्र, श्री आनंद शर्मा, वैज्ञानिक-जी और प्रमुख,- प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली और श्री सोनम लोटस, वैज्ञानिक-ई और प्रमुख, मौसम केंद्र, लेह की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यालय की स्थापना लद्दाख के लोगों के लिए भारत सरकार का एक सराहनीय प्रयास है।

भवन के कुछ छायाचित्र